SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2003-2004

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
(भारत सरकार का उपक्रम)

BANK OF MAHARASHTRA
(A Govt. of India Undertaking)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल THE BOARD OF DIRECTORS

श्री एस.सी.बसु अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक Shri. S.C. Basu Chairman & Managing Director	श्री एस. एस. देसाई निदेशक Shri. S. S. Desai Director	डॉ.बी.एम.भंडारी निदेशक Dr. B. M. Bhandary Director	श्री डी.आर.तुळजापुरकर निदेशक Shri D.R Tuljapurkar Director
श्री ए.वी दुगाडे कार्यपालक निदेशक Shri. A.V. Dugade Executive Director	श्री ए. के. पंडित निदेशक Shri. A. K. Pandit Director	श्री ज्ञान प्रकाश निदेशक Shri. Gyan Prakash Director	श्री डी.पी.एस.राठौर निदेशक (07.05.03 तक) Shri D.P.S. Rathore Director (Upto 07.05.03)
श्री सुभाष चंद्र गर्ग निदेशक Shri. Subhash Chandra Garg Director	श्री एस. के. वशिष्ठ निदेशक Shri. S. K. Vashisht Director	श्री के.एस.ओबेरॉय निदेशक Shri. K. S. Oberoi Director	श्री वी.आर उटगी निदेशक (26.06.03 तक) Shri. V.R.Utagi Director (Upto 26.06.03)
श्रीमती पी. कुमार निदेशक Smt. P. Kumar Director	प्रो. जी.डी.शर्मा निदेशक Prof. G.D. Sharma Director	श्री पी.एन.देशपांडे निदेशक Shri. P. N. Deshpande Director	डा. तरुण दास निदेशक (24.03.04 तक) Dr. Tarun Das Director (Upto 24.03.04)

ReportJunction.com

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
प्रधान कार्यालय :
लोकमंगल,1501 शिवाजीनगर,पुणे-411005.

BANK OF MAHARASHTRA
Head Office: "Lokmangal",
1501, Shivajinagar,
Pune 411005

रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
मे. एम. सी. एस. लि.
यूनिट : बैंक ऑफ महाराष्ट्र
'श्री व्यंकटेश भवन', प्लॉट नं. 27, रोड नं. 11
एम आय डी सी, अंधेरी पूर्व, मुंबई 400 093

Registrar and Transfer Agents
M/s MCS Ltd.
Unit : Bank of Maharashtra
'Shri Venkatesh Bhavan', Plot No. 27,
Road No. 11, MIDC Area, Andheri East,
Mumbai - 400 093

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

मे. श्रीधर एण्ड संथानम चेनै **M/s. Sridhar & Santhanam** **Chennai** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*	मे. एन कुमार छाबडा एण्ड को. चंडीगढ़ **M/s. N. Kumar Chhabra & Co.** **Chandigadh** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
मे. जेसीआर एण्ड को. मुंबई **M/s. JCR & Co.** **Mumbai** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*	मे. जोध जोशी एण्ड को. नागपुर **M/s. Jodh Joshi & Co.** **Nagpur** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
मे. एम.मित्तल एण्ड अग्रवाल नवी दिल्ली **M/s. M.Mittal & Aggarwal** **New Delhi** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*	मे. जगदीशचंद एण्ड को नवी दिल्ली **M/s. Jagdishchand & Co.** **New Delhi** सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

महाप्रबंधक GENERAL MANAGERS

श्री के पार्थसारथी महाप्रबंधक Shri.K.Parthasarathy General Manager	श्री आर. डी. वेलणकर महाप्रबंधक Shri. R. D. Velankar General Manager	श्री बी. के. पिपरैया महाप्रबंधक Shri. B. K. Piparaiya General Manager
श्री एम पी काळे महाप्रबंधक Shri. M. P. Kale General Manager	श्री वी वी करंदीकर महाप्रबंधक Shri. V. V. Karandikar General Manager	श्री एम. ए. सरदेसाई महाप्रबंधक Shri. M. A. Sardesai General Manager
श्री ए. के. भूमकर महाप्रबंधक Shri. A. K. Bhoomkar General Manager	श्री ए. एस. बनर्जी महाप्रबंधक Shri. A. S. Banerjee General Manager	श्रीमती एस. ए. पानसे महाप्रबंधक Smt. S. A. Panse General Manager
श्री एस. आर. जोशी महाप्रबंधक Shri. S. R. Joshi General Manager	श्री जे. के. शेठ महाप्रबंधक Shri. J. K. Sheth General Manager	श्री एस. मोहंती मुख्य सतर्कता अधिकारी Shri. S. Mohanty Chief Vigilance Officer

क्र./No.	विषय सूची	CONTENTS	पृष्ठ क्र./Page No.
1	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का व्यक्तव्य	Chairman & Managing Director's Statement	4
2	सूचना	Notice	6
3	निदेशकों की रिपोर्ट	Directors Report	8
4	31/3/04 को राज्यवार/क्षेत्रवार शाखाओं की संख्या	Statewise/Areawise Number of Branches as on 31/3/04	27
5	31/3/04 को प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमो की तुलनात्मक स्थिति	Comparative Position on Priority Sector Advances Position as at 31/3/2004	28
6	कॉर्पोरेट गवर्नन्स पर टिप्पणी	Note on Corporate Governance	30
7	तुलनपत्र	Balance Sheet	42
8	लाभ हानि खाता	Profit & Loss account	43
9	महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	Significant Accounting Policies	51
10	लेखो पर टिप्पणियाँ	Notes on Accounts	55
11	नकदी प्रवाह विवरण	Cash Flow Statement	64
12	बैंक के समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement of the Bank	66
13	भारत के राष्ट्रपति की सेवा [illegible]क्षकों की रिपोर्ट	Auditors Report to the President of India	83
14	महाराष्ट्र एक्जिक्यूटर एंड ट्रस्टी [illegible] लि.	Annual Report : The Maharashtra Executor & Trustee Co. Pvt. Ltd.	85
15	इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा सुविधा	Electronic Clearing Service (ECS Form)	105
16	प्रॉक्सी फार्म	Proxy Form	107
17	उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	109

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

आपके बैंक के निदेशक मंडल की वर्ष 2003-2004 की रिपोर्ट आपको सौंपते हुए मुझे हर्ष है. आरंभ में मैं बैंक द्वारा प्रमुख कार्यनिष्पादन क्षेत्रों में दर्ज उल्लेखनीय उपलब्धियों का जिक्र करना चाहता हूँ.

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के धीमे कार्यनिष्पादन के कारण पैदा हुए डर व भय को दूर करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था सुस्त आर्थिक परिदृश्य से बाहर निकल आई और वित्तीय वर्ष के दौरान अपने सकल घरेलू उत्पाद में 8.1 प्रतिशत की उत्कृष्ट वृध्दि कर विश्व की तेजी से वृध्दिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक रही. उत्साहवर्धक वृध्दि मुख्य रूप से कृषि व सहायक गतिविधियों से आई जहां 9.1 फीसदी की वृध्दि अनुमानित है, जो पिछले 15 वर्षों में अधिकतम है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उछाल के उपरांत भी पूर्ण वर्ष के दौरान मूल्य वृध्दि नियंत्रण में रही. भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक शक्ति एकसमान विदेशी मुद्रा प्रवाह में भी प्रतिबिंबित हुई. परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के अन्त में विदेशी मुद्रा भंडार 113 बिलियन अमरीकी डॉलर्स का हो गया, जो किसी भी स्थिति में एक सुविधाजनक भंडार है.

विस्तारित हो रही अर्थव्यवस्था के अनुरूप ही बैंकिंग क्षेत्र का कार्यनिष्पादन रहा. कड़े विवेकी मानदंडों के साथ साथ प्रतियोगिता ने बैंकों को अधिक स्वस्थ और ग्राहक संगत बनाया.

अपने बैंक ने विभिन्न मापदंडों यथा कुल कारोबार, लाभप्रदता, अनर्जक आस्ति प्रबंधन और सामाजिक बैंकिंग प्रतिबध्दता इत्यादि पर उत्कृष्ट परिणाम दर्शाए. बैंक द्वारा प्रमुख मानदंडों पर निर्धारित किए गए लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए. हमारी जमाराशियों में रु. 4270 करोड़ का इजाफा हुआ. परिणामस्वरूप जमाराशियां रु.26445 करोड़ की हो गई. अग्रिम बढ़कर रु.11731 करोड़ के हो गए, जो रु. 2223 करोड़ की वृध्दि दर्शाते हैं, जो क्रमश: 19.25 और 23.28 प्रतिशत वृध्दि है। जमाराशियों की लागत 7.07 फीसदी से कम हो कर 6.07 फीसदी हो गई और इसके साथ साथ ट्रेजरी परिचालनों के कारण हम रु.304.55 करोड़ का निवल लाभ अर्जित करने में समर्थ रहें. निदेशक मंडल ने इस वर्ष के लिए 16% के लाभांश की सिफारिश की है. बैंक के प्रति शेयर का अर्जन रु. 9.21 है. बैंक के शेयरों का व्यापार सक्रिय रूप से हुआ है और बाजार सकारात्मक बना हुआ है.

मैं, परिणामों के एक और महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालना चाहता हूँ. हमारे खर्च कमी की प्रवृत्ति दर्शाते हैं. औसत कार्यकारी निधियों से परिचालनगत लागत .72% से कम होकर 0.69% हो गई है. औसत कार्यकारी निधियों से स्टाफ लागत 1.57% से कम होकर 1.36% हो गई है.

खुदरा अग्रिम, कम लागत वाली जमाराशियां और अनर्जक आस्तियों में कमी करना हमारे लिए महत्ववाले क्षेत्र बने रहेंगे. बैंक ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय वृध्दि की है. इसका प्रतिबिंब हमारी भविष्य की योजनाओं में साफ नजर आता है. हमारी 504 शाखाओं और 32 क्षेत्रीय कार्यालयों में कनेक्टिविटी, जिसे महानेट का नाम दिया है, कार्यान्वयन के अंतिम चरणों में है और शीघ्र ही

CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

I have great pleasure in placing before you the report of the Board of Directors of your Bank for the year 2003-04. At the outset I would like to mention the impressive performance in major functional areas.

Keeping aside all fears, based on slow international economic performance, the Indian economy has bounced back from a sluggish economic scenario and has become one of the fast economies in the world by registering 8.1 per cent increase in its gross domestic product during the fiscal. The morale boosting growth has mainly come from the ' agriculture and allied activities' recording an estimated growth of 9.1 per cent, the highest in the last one and a half decades. Despite an increase in international oil price, the general price movement remained under control through out the year. The inherent strength of Indian economy has come to the fore reflected by persistent foreign capital inflow. Consequently foreign exchange reserves have crossed US $ 113 billion as at the end of the fiscal, a comfortable reserve in any situation.

The performance of the banking sector is in tune with the expanding economy. Competition coupled with stringent prudential norms has helped the banks to become more healthier financially and customer receptive.

Our Bank has recorded appreciable results on various counts such as total business, profitability, management of impaired assets and social banking commitment. The targets set by the Bank on major parameters have been achieved. Our deposits increased by Rs. 4,270 crore to Rs. 26,445 crore while advances increased by Rs. 2,223 crore to Rs. 11,731 crore representing growth of 19.25 per cent & 23.38 per cent respectively. Reduction in cost of deposits from 7.07 per cent to 6.07 per cent along with treasury operations has resulted in achieving the net profit of Rs. 304.55 crore. The Board of Directors has approved a dividend of 16 percent for the full year ended 31st March 2004. The earning per share of the bank is Rs.9.21. The Bank's shares are traded actively and have become market favourite.

I would also like to highlight an another important aspect of our results viz.- our expenses are showing declining trend. The operating cost to average working funds has come down from 0.72 per cent to 0.69 per cent. The staff cost to average working funds declined from 1.57 per cent to 1.36 per cent.

The retail advances, low cost deposits and restricting non-performing assets will continue to be our thrust area. The Bank has made significant progress in adopting Information technology which is clearly evident in its future plans. The connectivity between 504 branches and 32 Regional Offices viz. 'MAHANET' is in advanced stage of implementation and

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

पूरी हो जाएगी. महानेट से जुडी सभी शाखाओं के ग्राहकों को को-ब्रान्डेड डेबिट कार्ड जारी करने की बैंक की योजना है. ऑनलाईन सुविधा के साथ 255 अतिरिक्त एटीएम लगाने की भी बैंक की योजना है. बैंक ने पुणे में अपना स्वयं का डाटा सेंटर स्थापित करने का कार्य आरंभ कर दिया है. सीबीएस – कोर बैंकिंग सोल्यूशन को चरणबध्द ढंग से कार्यान्वित करने की मार्गदर्शिका तैयार कर ली गई है.

प्रमुख क्षेत्रों में उत्कृष्ट वृध्दि के साथ बैंक ने आगामी वर्षों के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं. हमारा हार्दिक प्रयास रहेगा कि हम सभी लक्ष्यों को प्राप्त करें और अपने हितधारकों का हित सुरक्षित रखें.

आदर सहित,

आपका

सुकमल बसु

(सुकमलचन्द्र बसु)

is expected to be completed shortly. The Bank would be issuing VISA co-branded debit cards to customers of all these branches, connected under 'Mahanet'. It is planned to install 255 additional ATMs with online facility. The Bank has initiated the steps for establishing its own Data Centre at PUNE and a road map in implementing the Core Banking Solution in phased manner has been drawn.

The Bank has set an ambitious target with focus on growth in key areas and would endeavour to achieve the same and protect & enhance in value terms the interest of all the stakeholders.

With warm regards,

Yours sincerely,

(S. C. Basu)

ReportJunction.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय : लोकमंगल,1501,शिवाजीनगर,पुणे-411005.

नोटिस

एतदद्वारा नोटिस दिया जाता है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरधारकों की प्रथम साधारण आम सभा दिनांक 2 जुलाई, 2004 को अपराह्न 3.00 बजे, यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह, कोथरुड, पुणे - 411 029 में निम्नलिखित कार्य संव्यवहार संपन्न करने हेतु होगी.

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र और उसी दिनांक के लाभ-हानि खाते, बैंक के तुलनपत्र और लाभ-हानि खाते की अवधि के दौरान बैंक की गतिविधियों तथा कार्यनिष्पादन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा.

स्थान : पुणे
दिनांक : 24 मई, 2004

(सुकमलचन्द्र बसु)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

बैठक में उपस्थित रहकर वोट डालने के पात्र शेयरधारकों को बैठक में भाग लेने और वोट डालने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी की नियुक्ति करने का अधिकार है. ऐसा प्रॉक्सी व्यक्ति बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है. प्रॉक्सी प्रभावित करने के लिए प्रॉक्सी फार्म साधारण वार्षिक आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात शनिवार, दिनांक 26 जून, 2004 के कार्यघंटे समाप्त होने के पूर्व प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर मिल जाना चाहिए

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति :

बैंक की शेयरधारक कंपनी या निगमित निकाय की ओर से कोई भी व्यक्ति साधारण वार्षिक आम सभा में वोट डालने के लिये प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में भाग नही ले सकता है जब तक की कंपनी निदेशक मंडल की बैठक में उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव की सत्य प्रति लिपि, जिस बैठक में प्रस्ताव पारित हुआ है उसके अध्यक्ष से विधिवत अधिप्रमाणित करवाकर बैंक प्रधान कार्यालय में वार्षिक साधारण आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात शनिवार, 26 जून 2004 के कार्यघंटे समाप्त होने से पूर्व जमा नही करवा दी जाती

3. उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों / प्रॉक्सीधारकों/ प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र में दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर यह पर्ची आम सभा के स्थान पर देने की कृपा करें. प्रॉक्सी / शेयरधारकों के प्रतिनिधि यथाप्रसंग उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र पर उल्लेख करें कि प्रॉक्सी या प्रतिनिधि.

4. लाभांश का भुगतान

निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान उन शेयरधारकों को किया जाएगा, जिनके नाम दिनांक 2.07.2004 को शेयरधारकों के रजिस्टर में लिखे होंगे और डी-मेट प्रारूप में शेयर धारण करने वाले हितधारकों को डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध की गई दिनांक 24 जून, 2004 की सूची के अनुसार लाभांश का भुगतान किया जाएगा और वार्षिक आम सभा की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर लाभांश वारंट डाक द्वारा भेज दिए जाएंगे.

5. इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा

लाभांश के भुगतान के संबंध में बैंक इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले बैंक के सभी शेयरधारकों को निम्नलिखित शहरों में इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा उपलब्ध करता है :

अहमदाबाद, बैंगलूर, भुवनेश्वर, चंडीगढ, चेन्नै, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, कोलकता, मुंबई, पुणे, नागपुर और तिरुअनन्तपुरम.

इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक शेयरधारक इस रिपोर्ट के साथ संलग्न प्रारूप में बैंक को अपनी मैनडेट के साथ अपना प्राधिकार दे सकते हैं. वर्ष 2003-2004 के लिए लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से करने के अनुरोध रजिस्टार और अंतरण एजेंट एमसीएस लि. को भी नीचे पैरा 7 में दिए गए पते पर दिनांक 20.06.2004 से पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारक कृपया नोट करें कि संबंधित डिपॉजिटरीज द्वारा उपलब्ध किए गए उनके बैंक खातों के विवरण इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से लाभांश देने/लाभांश वारंट भेजने हेतु उपयोग में लाए जाएंगे. अपने बैंक खातों के विवरण में परिवर्तन कराने के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध हैं कि वे अपनी डिपॉजिटरी पार्टीसिपन्टस को बैंक खातों का पूर्ण विवरण देते हुए परिवर्तन करने का अनुरोध 24 जून 2004 से पूर्व करें.

6. अंतरण

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र को नीचे दिए गए पते पर रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को भेजा जाए.

7. पते में परिवर्तन

भौतिक शेयरधारण करनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध हैं कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो निम्नलिखित पते पर शेयर अंतरण एजेंट / रजिस्ट्रार को भेजें :

मे. एमसीएस लि.
श्री वेंकटेश भवन, प्लॉट नं. 27, रस्ता क्र. 11,
एमआईडीसी एरिया, अंधेरी पूर्व, मुंबई 400 093

8. शेयरधारक / प्रॉक्सीधारक / प्रतिनिधियों से अनुरोध हैं कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति वार्षिक आम सभा में अपने साथ लाएं.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BANK OF MAHARASHTRA

Head Office: "Lokmangal", 1501, Shivajinagar, Pune 411005

NOTICE

NOTICE is hereby given that the First Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Maharashtra will be held on Friday the 2nd of uly 2004 at 3.00 p.m. at Yashawantrao Chavan Natya Griha, Kothrud Pune 411 029 to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet as at 31st March 2004 and the Profit and Loss Account for the year ended on that date, the Report of the Board f Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet nd Accounts.

Place: Pune
Date: 24th May 2004

(S.C.BASU)
Chairman & Managing Director

NOTES

. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not less than 4 days before the date of the Annual General Meeting i.e. before the closure hours of Saturday the 26th June 2004.

. APPOINTMENT OF AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend to vote at the Annual General Meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than Four days before the date of the Annual General Meeting i.e on or before the closure hours of Saturday, the 26th June 2004.

. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry Pass is annexed to this Report. Shareholders / Proxy holders /Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum- entry pass at the venue. Proxy / Representative of a shareholder should state on Attendance slip – cum – Entry pass " Proxy" or " Representative" as the case may be.

PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders as declared by the Board of Directors shall be paid to those shareholders whose names appear on the Register of share holders of the Bank as on 2nd July 2004 and in respect of shareholders holding their shares in dematerialised form as per the list provided to the Bank by the Depositories as on 24th June 2004 and the dividend warrants shall be mailed within 30 days from the date of Annual General Meeting.

5. ELECTRONIC CLEARING SERVICE FACILITY

With respect to payment of dividend, the Bank provides the facility of ECS to all shareholders of the Bank, having their bank accounts in any of the following cities:

Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneshwar, Chandigarh, Chenn Delhi, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Kolkata, Munib Pune, Nagpur and Thiruvananthapuram.

Shareholders holding their shares in physical form, who wish to avail ECS facility may authorise the Bank with their ECS mandate in the prescribed form annexed to this Report. The re payment of dividend through ECS for the year 2003-04 should be lodged with Registrar & Transfer Agent of the Bank M/s. MCS Ltd at the address given in para 7 below on or before 20.6.2004.

Shareholders holding shares in electronic form may please note that their bank account details as furnished by the respective Depositories will be considered for sending dividend through ECS / dividend warrants. Shareholders who wish to change su bank account details are requested to advise their depositor participants about such change with complete details of Bank Account on or before 24th June 2004.

6. TRANSFERS

Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent at address given below

7. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in physical form are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registr and share Transfer Agent of the Bank at the following addr

M/s. MCS Ltd.

'Sri Venkatesh Bhavan' Plot No. 27, Road No. 11,

MIDC Area Andheri East, Mumbai 400 093

8. Shareholders / Proxy holders / Representatives are requested to bring their copies of Annual Report to the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005

निदेशकों की रिपोर्ट 2003-2004

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

पिछले दो वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में 4.00% और 5.6% की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2003-2004 में सकल घरेलू उत्पाद में 8.1 % की वृध्दि मुख्यतः कृषि उत्पादन भारी मात्रा में होने के कारण हुई. कृषिगत सकल घरेलू उत्पाद में पिछले वर्ष आई 5.2% की गिरावट की तुलना में वर्ष 2003-2004 के दौरान 9.1% वृध्दि का अनुमान लगाया गया है. औद्योगिक क्षेत्र में समग्र कार्यनिष्पादन पिछले वर्ष 6.2% था, जिसकी तुलना में वर्ष 2003-2004 में औद्योगिक क्षेत्र का समग्र कार्यनिष्पादन 6.6% पर उच्चतर रहने का अनंतिम अनुमान है. सेवा क्षेत्र में पिछले वर्ष हुई 7.2% वृध्दि की तुलना में वर्ष 2003-2004 के दौरान 8.2% संतोषजनक वृध्दि दर्ज की गई. वर्ष 2003-2004 के दौरान उप क्षेत्र व्यापार, होटल, रेस्तराँ, परिवहन में दर्ज की गई 10.09% की उत्साहवर्धक वृध्दि के कारण यह संभव हो सका.

मुद्रा स्फीति

थोक मूल्य सूचकांक (आधार 1993-94=100) में परिवर्तन में मापी गई अंक दर अंक आधार पर मुद्रास्फीति की वार्षिक दर गत वर्ष की 6.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2004 में 4.5 प्रतिशत रही.

थोक मूल्य सूचकांक में कमी मुख्यतः, बुनियादी वस्तुओं (भार 22.0 प्रतिशत) के मूल्यों में वर्ष पूर्व की 6.1 प्रतिशत वृध्दि की तुलना में इस वर्ष हुई 1.7 प्रतिशत की मामूली वृध्दि के कारण आई.

थोक मूल्य सूचकांक में औसत आधार पर हुई वृध्दि के अंतर्गत मापी गई मुद्रा स्फीति की वार्षिक दर वर्ष 2003-2004 के दौरान गत वर्ष के 3.4 प्रतिशत की तुलना में 5.4 प्रतिशत पर उच्चतर रही. औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अंतर्गत प्रतिबिंबित मुद्रास्फीति पिछले वर्ष की 4.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2003-2004 में 3.5 प्रतिशत पर कम रही.

राजकोषीय घाटा

अंतरिम बजट में उल्लेखित संशोधित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2003-04 के लिए केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा बजट में किए गए अनुमान रु.1,53,637 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 5.6 प्रतिशत) की तुलना में रु. 1,32,103 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत) रहने का अनुमान लगाया गया. राजस्व की वसूली में वृध्दि और राजस्व खर्च में कमी तथा विनिवेश आगम की उच्चतर वसूली का यह सुपरिणाम है. राज्य व केन्द्र सरकार की निवल बाजार उधारी रु.1,35,192 करोड़ रही.

मौद्रिक और बैंकिंग गतिविधियां

मुद्रा आपूर्ति

वर्ष 2003-04 के दौरान अंक दर अंक आधार पर मुद्रा आपूर्ति (एम3) में वार्षिक वृध्दि गत वर्ष की 12.8 प्रतिशत की तुलना में 16.4 प्रतिशत की रही. घटकों में से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियां, विलयन को छोड़कर, पिछले वर्ष के 13.4 प्रतिशत की तुलना में 17.3 प्रतिशत के स्तर पर उच्चतर रही. इसी प्रकार चलन में आम जनता के पास करेन्सी की मात्रा में वृध्दि के कारण भी मुद्रा की आपूर्ति बढ़ गई.

निधियों का प्रवाह

सरकार [illegible] क्रमों और निजी कंपनी क्षेत्र के बांडों / डिबेंचरों / शेयरों और [illegible] आदि में बैंकों के निवेश सहित वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित

BANK OF MAHARASHTRA

'Lokmangal', 1501, Shivaji Nagar, Pune: 411 005

DIRECTORS' REPORT 2003-04

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

The GDP growth in the year 2003-04 is around 8.1 per cent as compared with 4.0 per cent and 5.6 per cent in the previous two years. The GDP growth of 8.1 per cent could be reached due to a rebound in agricultural production. GDP from agriculture and allied activities is estimated to have increased by 9.1 per cent during 2003-04 as against a decline of 5.2 per cent in the previous year. The overall growth performance of the industrial sector during 2003-04 provisionally estimated to be near 6.6 per cent is also higher than that of 6.2 percent in the previous year. During the year, services sector has recorded a satisfactory growth of 8.2 per cent as compared with 7.2 per cent in the previous year. This was possible due to boosting growth in 'trade, hotels, restaurants, transport and communication' sub sector, which recorded a growth of 10.9 per cent in 2003-04.

Inflation

The annual rate of inflation on a point-to-point basis as measured by variations in the wholesale price index (base 1993-94 = 100) worked out to 4.5 per cent in 2004 as against 6.5 per cent a year ago.

The decline in WPI was mainly due to low increase in prices of primary articles (weight: 22.0 per cent), which recorded an increase of 1.7 per cent as against 6.1 per cent increase a year ago.

The annual rate of inflation during 2003-04, as measured by increase in WPI on an average basis, was higher at 5.4 per cent as compared with 3.4 per cent in the previous year. Inflation as reflected in consumer price index (CPI) for industrial workers was lower at 3.5 per cent in 2003-04 as compared with 4.1 per cent in the previous year.

Fiscal Deficit

As per the revised estimates mentioned in the Interim Budget, the fiscal deficit of the Central Government for 2003-04 was estimated at Rs.1, 32,103 crore (4.8 per cent of GDP) compared to the budget estimate of Rs.1,53,637 crore (5.6 per cent of GDP). This was a consequence of a combination of measures to enhance revenue buoyancy, contain revenue expenditure and secure higher realization of disinvestment proceeds. The combined net market borrowings of the Centre and States were Rs. 1,35,192 crore.

MONETARY AND BANKING DEVELOPMENTS

Money Supply

During 2003-04, the annual growth in money supply (M_3) on a point-to-point basis was at 16.4 per cent compared to 12.8 per cent a year ago. Among the components, the growth in aggregate deposits of the scheduled commercial banks at 17.3 per cent net of mergers was higher than that of 13.4 per cent in the previous year. Similarly, higher expansion in currency with the public also contributed for growth in money supply.

Flow of Funds

The total flow of funds from Scheduled Commercial Banks to the commercial sector including banks' investments in bonds/debentures/

www.reportjunction.com

ों से निधियों का कुल प्रवाह पिछले वर्ष के रु.1,10,501 करोड (17.09 ाशत) की तुलना में रु. 1,17,008 करोड (15.1 प्रतिशत) होने का अनुमान पूंजी निर्गमों, सार्वभौमिक निक्षेपागार रसीदों (जीडीआर) और वित्तीय संस्थाओं उधार सहित वाणिज्यिक क्षेत्र को संसाधनों का कुल प्रवाह पूर्व वर्ष के ,33,631 करोड की तुलना में इस वर्ष रु.1,73,789 करोड रहा.

ंग प्रवृत्तियां

ले कुछ वर्षों के दौरान भारत में मीयादी जमाराशियों पर ब्याज दरें कम से होती जा रही हैं. मीयादी जमाराशियों पर एक वर्ष की परिपक्वता अवधि के मार्च 2003 में ब्याज दरें 4.00 से 6.00 प्रतिशत के मध्य थी, जो मार्च 04 में घटकर 3.75 से 5.25 प्रतिशत तक आ गई. 1 वर्ष से अधिक की पक्वता अवधि के लिए मीयादी जमाराशियों पर भी उक्त समान अवधि के न ब्याज दरें 5.25 – 7.00 प्रतिशत से कम होकर 5.00 - 5.75 प्रतिशत आ गई.

2003-2004 के दौरान सरकारी क्षेत्र में बैंकों की प्रमुख उधार दरें लगभग न रहीं. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अप्रैल 2003 के अपने वार्षिक नीति विवरण नागू की गई न्यूनतम आधार प्रमुख उधार दर योजना के अंतर्गत अधिकांश ाज्यिक बैंकों ने पूर्व में अवधि संबध्द प्रमुख उधार दर की बजाए न्यूनतम ार प्रमुख उधार दर की घोषणा की है. सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने अपनी न्यूनतम ार प्रमुख उधार दर घोषित करते समय अपनी दरों में 25-100 आधार अंकों कमी की है.

जमाराशियां

2004 के अंतिम शुक्रवार को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल राशियां रु. 15,01,931 करोड की थीं. 19 मार्च ,2004 तक जमाराशियों ल वृध्दि रु.2,21,078 करोड की हुई. वर्ष दर वर्ष आधार पर अनुसूचित ाज्यिक बैंकों की जमाराशियों में मार्च 2004 को 17.3 प्रतिशत की वृध्दि जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में 16.1 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की गई थी.

ऋण

2004 के अंतिम शुक्रवार को बैंक ऋण रु.8,35,382 करोड के थे, जो वर्ष ौरान हुई रु.1,06,166 करोड की वृध्दि को दर्शाते हैं. मार्च 2004 को ऋण अनुपात 55.62 प्रतिशत का रहा.

2004 को वर्ष दर वर्ष आधार पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में गत वर्ष की 23.7 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में 14.6 प्रतिशत रही . वर्ष 03-2004 के दौरान संरचनात्मक उद्योगों यथा सडक, बंदरगाह, ऊर्जा और कम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों को भारी ऋण प्रवाह हुआ. कपास, कपडा, आभूषण उद्योगों में उच्चतर वृध्दि के मुकाबले सिमेंट, लोह और स्टील जैसे उद्योगों ंक का ऋण प्रवाह कम रहा.

ऋण

क दौरान खाद्य ऋण में गत वर्ष के विस्तार रु.13,518 करोड की तुलना में 499 करोड की कमी आई . वर्ष के अंत में बकाया खाद्य ऋण रु.35,961 ड़ था.

तर ऋण

ने वर्ष के दौरान, खाद्येतर ऋणो में विलयन के अलावा 18.6 प्रतिशत 9,448 करोड) की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2003-2004 के दौरान 3 प्रतिशत (रु 1,19,685 करोड) की वृध्दि हुई. वर्ष के अंतिम भाग में ऋण में तेजी से विस्तार हुआ. आवास, उद्योग और फुटकर क्षेत्र जैसे क्षेत्रों को तर ऋण का प्रवाह अधिक रहा.

shares of public sector undertakings and private corporate sector, commercial paper, etc. is estimated at about Rs. 1,17,008 crore (15.1 per cent) as against Rs.1,10,501 crore (17.9 per cent) in the previous year. Total flow of resources to the commercial sector, including capital issues, global depository receipts (GDRs) and borrowings from financial institutions is placed at Rs.1,73,789 crore as compared with Rs.1,33,631 crore in the previous year.

BANKING TRENDS

In the last couple of years, the overall interest rate structure for term deposits in India has plateaued. The term deposit rates of public sector banks for maturities upto 1 year reached 3.75-5.25 percent in March 2004 compared to 4.00-6.00 per cent in March 2003. Interest rates on term deposits over one year have declined from a range of 5.25-7.00 per cent to 5.00-5.75 per cent during the same period.

The prime lending rates (PLRs) of public sector banks have almost remained sticky during the year 2003-04. In the wake of scheme of Benchmark PLR (BPLR) introduced in the annual policy statement of April 2003 by RBI, majority of commercial banks have announced their BPLRs instead of the earlier tenor linked PLRs. The PSBs reduced their rates in the range of 25-100 basis points while declaring their BPLRs.

Bank Deposits

All the scheduled commercial banks have aggregate deposits of Rs.15,01,931 crore, as on the last reporting Friday of March 2004. The rise in deposits in the financial year upto 19th March 2004 works out to Rs.2,21,078 crore. Deposits with scheduled commercial banks on year-on-year basis grew by 17.3 per cent as of March 2004 as compared with 16.1 per cent growth recorded in the last fiscal.

Bank Credit

As on the last reporting Friday of March 2004, bank credit stood at Rs. 8,35,382 crore, reflecting a rise of Rs.1,06,166 crore during the year. The credit-deposit ratio stood at 55.62 per cent as of March 2004.

As of March 2004, growth in credit by Scheduled Commercial Banks increased to 14.6 per cent on year-on-year basis against 23.7 per cent a year ago. The year 2003-04 witnessed a substantial expansion in credit flow to the infrastructure industries like roads, ports, power and telecommunications. As against higher credit growth in industries like cotton, textile, gems and jewellary, there was a decline in bank credit to the industries like cement, iron & steel and petroleum.

Food Credit

There is decline in food credit during the year to the order of Rs.13,518 crore as against the fall of Rs.4,499 crore during the previous year. The outstanding food-credit was Rs. 35,961 crore at the end of the year.

Non-food Credit

The non-food credit increased by 17.6 per cent (Rs.1,19,685 crore) during 2003-04 against 18.6 per cent (Rs.99,448 crore), net of mergers in the previous year. Credit expanded vigorously during the later part of the year wherein growth in non-food credit was led by housing, industrial and retail sectors.

www.reportjunction.com

निवेश

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं निजी कंपनी क्षेत्र द्वारा जारी बांडों / डिबेंचरों / शेयरों तथा वाणिज्यिक पत्रों इत्यादि में निवेश के रूप में बैंक द्वारा दिये गये अप्रत्यक्ष ऋण में वर्ष 2003-2004 के दौरान रु. 3,805 करोड की कमी आई. जबकि गत वर्ष में ये रु.12036 करोड के थे.

2003-2004 वित्तीय वर्ष के दौरान सरकारी प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश गत वर्ष के रु.5,23,416 करोड की तुलना में रु. 6,53,244 करोड तक रहा. वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश गत वर्ष की 25.7% की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2003-2004 के दौरान 19.87% से बढा.

बैंकिंग प्रणाली अब भी अपनी निवल मांग और सावधि देयताओं के 41.5 प्रतिशत तक सरकारी प्रतिभूतियां धारण किए हुए हैं जबकि न्यूनतम सांविधिक आवश्यकता 25 प्रतिशत की हैं. परिणाम की दृष्टि से मार्च 2004 में सांविधिक तरलता अनुपात से अधिक ऐसा धारण रु.2,69,777 करोड तक है, जो सरकार की सकल उधारियों से काफी अधिक है.

मार्च 2004 के अंतिम शुक्रवार को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश रु. 6,53,244 करोड रहा. निवेश जमा अनुपात 45.25 प्रतिशत रहा.

बाह्य गतिविधियां

यद्यपि यूरो क्षेत्र में वसूली कम रही फिर भी वैश्विक आर्थिक वसूली मजबूत हुई. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषने वर्ष 2004 के विश्व उत्पादन के अनुमानों को संशोधित कर 4.6 प्रतिशत की वृध्दि का अनुमान लगाया.

वर्ष 2005 में विश्व उत्पादन 4.4 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है. विश्व व्यापार की मात्रा में वर्ष 2003 में हुई 4.5 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2004 में 6.8 प्रतिशत की वृध्दि होने का अनुमान लगाया गया है.

यद्यपि विश्व उत्पादन और व्यापार में अच्छी वृध्दि के संकेत मिल रहे हैं, फिर भी वैश्विक तेल मूल्यों, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मूल्यों में भारी उतार-चढाव और व्यापार संबध्द उतार-चढाव उच्चतर मुद्रा स्फीति की जोखिम पैदा कर रहे हैं. उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए ब्याज दरों में अनिश्चितताएं और विदेशी मुद्रा बाजार का उतार-चढाव चिंता का कारण है.

वर्ष 2003-2004 के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए के मूल्य में 9.5 प्रतिशत की वृध्दि हुई जबकि यूरो, येन और पौण्ड स्टर्लिंग जैसी अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले रुपए का मूल्य कम हुआ.

निर्यात

अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित भारत के निर्यात गत वर्ष की 20.3 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में 17.1 प्रतिशत की दर से बढे. इंजिनियरिंग माल, रसायन और संबंधित उत्पाद, पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक माल और जेम्स एण्ड ज्वेलरीज जैसे क्षेत्र में भारी वृध्दि के कारण निर्यात कार्यनिष्पादन अच्छा रहा. परंपरागत निर्यात की वस्तुएं जैसे कि कपड़े के निर्यात में कमी होने के बावजूद भी निर्यात अच्छे रहे.

आयात

वर्ष 2003-2004 के दौरान आयात में 25.3 प्रतिशत की वृध्दि हुई. जबकि इसकी तुलना में गत वर्ष निर्यातों में वृध्दि 17 प्रतिशत की थी. गैर तेल वस्तुओं का आयात तेल आयात की तुलना में अधिक रहा. तेल के आयात में 14.3 प्रतिशत की तुलनात्मक रूप से कम वृध्दि हुई. पूंजीगत माल, औद्योगिक कच्चा माल और मध्यस्थ वस्तुओं के लिए घरेलू मांग में सतत वृध्दि के कारण गैर तेल आयात में वृध्दि हुई जो औद्योगिक सक्रियता को प्रतिबिंबित करते हैं.

व्यापार घाटा

निम्नतर निर्यात के कारण पिछले वर्ष के 7.4 बिलियन

Investments

Indirect credit by Scheduled Commercial Banks to the commercial sector in the form of investments in shares, debentures, bonds, commercial paper etc. declined by Rs. 3,805 crore during 2003-04 against a rise of Rs. 12,036 crore in the previous year.

During 2003-04 fiscal, investments by SCBs in government securities was at Rs. 6,53,244 crore against Rs. 5,23,416 crore during the same period a year ago. On year on year basis also, investments in government securities grew by 19.87 per cent as against 25.7 per cent a year ago.

The banking system even now holds government securities of around 41.5 per cent of its net demand and time liabilities as against the minimum statutory requirement of 25 per cent. In terms of volume, such excess holdings amounted to as much as Rs.2,69,777 crore in March 2004 which is substantially higher than the gross borrowings of the Government.

As of last reporting Friday of March 2004, investments in Government securities stood at Rs. 6,53,244 crore. The investment-deposit ratio stood at 45.25 per cent.

EXTERNAL DEVELOPMENTS

Though recovery in the Euro area is slow, the global economic recovery has broadened and strengthened. The International Monetary Fund (IMF) has revised its projection for world output to grow by 4.6 per cent in the year 2004.

During the year 2005, the world output growth is expected to remain robust at 4.4 per cent. The growth in volume of world trade is expected to improve from 4.5 per cent in 2003 to 6.8 per cent in 2004.

Even as global output and trade show sign of recovery, higher global oil prices, volatility among major international currencies and trade cyclical fluctuations pose a risk of higher inflation. Interest rate uncertainties and forex market fluctuations may remain the major concern for emerging economies.

During the year 2003-04, Indian rupee appreciated against U.S. dollar by 9.5 per cent while it depreciated against other major international currencies like Euro, Yen and Pound Sterling.

Exports

India's exports in terms of US dollar have increased by 17.1 per cent as compared to last year's 20.3 per cent. The exports performance was driven by a strong growth in engineering goods, chemicals & related products, petroleum products, electronic goods and gems and jewellary. The strong export growth was experienced despite the fact that exports of traditional commodities like textiles posted a decline.

Imports

During the year 2003-04, the imports have shown an increase of 25.3 per cent as compared to 17 per cent in the previous year. Non-oil imports have contributed more towards this increase as compared to oil imports, which have shown relatively slower growth of 14.3 per cent. Continuous higher growth in domestic demand for capital goods, industrial raw materials and intermediate goods boosted the Non-POL imports reflecting a resurgent industrial activity.

Trade Deficit

India's trade deficit has widened to US$ 13.7 billion in 2003-04 as

www.reportjunction.com